

341/4 E/ 34-115

341/4 E/ 34-115
2365
ASIA ARCHIVES

कपाल आइतमंगलवारपरिपोलिगा जलः आषा अंजनगर्नुः आवाकात
जहोः॥ धिरीकाविसा अठारिमरी चघोठी आवाका फुलामाला उनु फु
लो जाः॥ मरी चपिधी अरीड काडा कलाभि वहल नुत वषा प्रामाघोव
नुः दधलाग्पा को पुदि परे लामाला उनु भवनीति को होः॥ अथ भगसा
गुरेगर्नी को उपडि कहें॥ केवल का फुल को डा कलो दुद सगपका उनु
बोधनुदिन रुक भगभि वराव नु भगसा गुरे होः॥ दारिम को दाला का वो
हले दो पेजा को फुल देवा की चूरी गरिय फीन को रसमि सि भगले पगर्नुः सां
गुरे होः॥ दारिम को वो जो लफट् करीः मह संगले पनगर्नुः भगसा घ

रहोः रुक तोरा साठि मा॥ क धियरा को फुल धनुरा को विजः आफिन को
पानी हालि भगले पनगर्नुः भगसा घुरे होः॥ अथ थंवन को लीग वडा उंसा
उपाडि कहें॥ सुसलीगई को दुद वा नुरेहें इ द्यागि जागः॥ जरि फुल घोपितां
हां मित्रगई को धिउर धनुरा का विजपि सी घाल नुत वेटडी मार नुत वमिंडो
घोप नुत से मित्र हाल नु माठाले मोर नुत वमिंडो पो ल नुत व अठ कली वानु
थंवन हो मेहरी कामन परः॥ मिंडो गुई ठामा पो ल नुः का उद्धा का विया जरागई
को दुद सेर ५ मह सगप का उनुः अमला प्रमारा गो लि वों धनुर रुक रुक गो लि
वानु॥ काम वठ स्थंवन हो निष्पन ह्ये वमा का उद्धा को जरो ल्या उंनु कंशठा बोध

नव
नुविर्घन न हो ॥ वाघि का दुद गाड़ि को धिबमिसीपका उनुपिपला सिधोमिसनु
स्त्री पुरुष लेषानुविर्घस्थं वन हो ॥ गाड़ि को गोवरः सकपटी धनुरा को फूल
अश्वगंधा को जरे पि सीवरत्रगलीतगर्नु भैसि को नौ नीलेपनगर्नु दि नति न हो
डा का जति लीग बैठे ॥ दुभा को जरे का उद्धा को जरे वाघि का दुदमिसी लिंगमा
लेपनगर्नु स्थं वन हो ॥ घोडा को गलः सेतो सर्सि उः मजि ठा जाई फलः परे वा को बां
धमिसी सुत्ता वे लामाली गलेपनगर्नु लीग को प्रवल हो स्त्री को पियारे हो ॥
पोर गोले चन कपूर श्री खरः वर का विजः चुरा गर्नु काम कि वेला लीग लेप

नगर्नु दुग्ध वाघि मोहे देव का कामा हो ॥ कपूर वाघा को सिंग धनुरा का विद्या सि
सी लीग लेपनगर्नु दुग्ध वर श्री मोहे मह कुचिलोः अपमार्ग सेतो सर्सि विही का
फलः पिपला अश्वगंधा को फूल जरा सिधोमरिच सुय को मासु ॥ सु काई चुरा
नु भैसी का धि उमा मुही लीग लेपनगर्नु तरुणा घोडा का जति को ते जहो नागा
जुनि अश्वगंधा पेसा भरी गाड़ि का दुद महसगमिसि श्री रष का उनु प्रात उठि
चिनी संग घानु दीन २१ खिसी तक्रिडा नगर्नु वह त काम वाढ बोखति वान
ज्पाल खि वारनु ॥ अथ वहि हो उना को उपाई कहु ॥ परे वा को विही मजुर को

विष्टीः गदाहाको विष्टीः सति वायति स कजगरी नेल चूपनुलोहाको नेल फुके पुरु
 वः मुक्त हो ॥ कुषूराका धंयः मजुरका धंयः पेरवाको धंयः समगरी साता १ मसानमा
 गाडनुत वरु की यो लनुति सनुत वलोहा चूपनुलोहाको नेल फुके ॥ अथ अथ
 वमिलाउनाको उपाई कह ॥ पैहू ओके पोलनुत वमोथ्याको रस संपुठदिनु १
 मगिरा जस संपुठदिनु १ सिवाली रस संपुठदिनु १ नागा जुनी रस संपुठ
 दिनु १ पत्कवारि रस संपुठदिनु १ सतिर संपुठदिनुत व अथ यमर ॥ तव
 वायधिमि सिसुसली भाग १ लवांग भाग १ हरर भाग १ वडिमादुरा भाग १ अलौ
 चि भाग १ अककला भाग १ न भाग १ वज्रबार भाग १ कालोजिरे भाग १ ॥

५ अथ माड्याप को उपाई कह
 सेतो जिरे भाग १ महवा १ कजगरी पिसनु असला प्रमारा वा नुत
 वचंन्दु सूर्य कि ज्योति हो ॥ धोडा का जही वेग हो श्रीका जति वेग हो छिन्त्या
 काया पुष्ट हो ॥ हसि को जे वेग हो दिव्य ज्योति हो ॥ दृष्टि नी को हो विर्य थं व
 न हो कफ वात पित्त सन् पूर्ण नि को हो ॥ सर्व व्याधि हरे सर्व प्रमेह जा इसर्व गु
 रा भय का कह ॥ अथ माड्याप को उपाई कह ॥ त्रिफला माड्यानु नित्र जे जा
 पान रस माड्यानु संद जे जा त्रिफला माड्यानु आया डह दानिका हवन
 गुंड धिव माड्यानु आया को ग्रहणि जा ॥ वो गो चूर्ण गरी माड्यानु मुख को राग
 जा भलायो माड्यानु वायु गुल्म जा दहि माड्यानु हर्षा जा मह माड्यानु जल

ग्रह जा॥ मरीचमाडया तु निन्याई जा॥ भाक्यामिलोमाडया तु खिके सालफुके गो
तमाडया तु सुन्मजा सो चलमाडया तु सिरको वेथा जा॥ कातिमाडया तु सुलजा
पलो सविजया माडया तु कानदुव्याको निको हो॥ सोधन्को अंतर्ही लामाडया
चुरकविज अतिसा जा॥ दुभाको रसमाडया तु अजीर्ण भूलजा सी करीमा
दुषानु गानु ठाउँ आव॥ जवा तु माडया तु को सो उसो साजा चीता का जराको
धूलोमाडया तु मन्दा थि जा॥ ~~अथ समुन्द्रफल~~ ~~का रस~~ ॥ समुन्द्रफलमि
सिनसदिनु अहो तर सप्तजातका बिसरु रूत॥ समुन्द्रफलनि बुवाको रस
घोटी लाउँ नु शर्व घठीर जा॥ समुन्द्रफल हेरि घोटी लावनु गोडथा कः स

मुन्द्रफलनि गुण्डिको सफा अंजन सिरलेपन गर्नु सिरको वेथा जा॥
समुन्द्रफलखि कादुदमा घोठि मुखकुल्ला गर्नु मुखको गंध जा॥ समुन्द्र
फलगाईका धिब संग अंजन गर्नु आँखाको जालो फाट॥ समुन्द्रफलगा
ईकादुद घोठी पिनु आँतको घठीर जा समुन्द्रफल वासिपानीमा घोठी पि
नु रुखा जा॥ समुन्द्रफलदुदमा घोठी कानमा घालनु कानको चिकोई जा
समुन्द्रफलको चोपिनु अजीर्ण जा समुन्द्रफलवो भानसदिनु भूतदों की
निजा अधा जा॥ समुन्द्रफलरविफलानसदिनु सुन्पजा समुन्द्रफल

काजिअंजनगर्नुः औरंवाकीतिरीमरीजा॥ समुद्रफलरतिलकोतेलअं
जनगर्नुः आषाढवदनिकाहवनसमुद्रफलरवाधिकादुदघोटीलाउ
नुः आषाकोबेइरीजा॥ समुद्रफलशिबोलिकोरसनसदिनुअधाहाजा
अथविन्नाप्रकारकहे॥ चितोभाग१ मरीचभाग१ पिप्लाभाग१ जवा
का१ नुभाग१ सुठोभाग१ वोजोभाग१॥ वाटुल्यभागा१ नागर्माथ्याभागा१
भेंगिराजाभागा१ हरिभागा१ सिंधोभागा१ सतिसप्तगरीपीसनुवस्त्रग
लितगर्नुः॥ तवविरलाकापावप्रसागाधानुनातोपानीपीनुमेत्यादिजाः॥
वायुगुल्मजाः सेंगहरिजा॥ गाईकाचिउसितघातुः पेठकोसूलजाः तिलकोते
लसेंगघानुवायुगुल्मजाः॥ करुवोतेलसेंगघानुवाथापित्तजाः करुवोतेलसगा
मर्दनगर्नुः सुंनजाः सिंदोषजाः॥ गुणसेंगघानुपित्तजाः॥ महसेंगघानुर
क्तअतिसारजाः चूनाकाअंनर्द्धालासेंगघानुकमलेरागजाः भलाप्रासेंग
* घानुजलयहजाः॥ अथमुसलीप्रतिकारकहे॥ मुसलीकंदचूर्णगरीगा
ईकागहेतशितपकाउनुः फेरीदुदसंगपकाउनुः तवफेरीसुकाउनुः तवचोला
नीसंगघुवावनुतवस्त्रिकनगर्भहो॥ मुसलीमहसंगघानुः निम्बजरेजाः
मुसलीविहसंगघानुपेठकोसूलजाः॥ मुसलीभेंगिराजसंगघानुकोसा

त ३ उँसा सो जाः मुसली दही सगवानु अंगमापनी ला उँनु दु भिरो ज जाः ॥ मुस
ली गाई का दु दसि बै वानु रह्ये को ई न्या रि जागः मुसलिके रा वानु शिर
को वे था जाः मुसली ल सुन वानु गानु टा उँ आ वः ॥ मुसली दु धिलो वा
नु पि रा ड रो ग जाः मुसली कु भि रो डो वानु यो ड ठ्या को नि को हो मुसली पि प
ला वानु फियो जाः ॥ मुसली मरी च वानु कार वा ड हं दानि का ह व न ॥ मुसली
भं गिरा ज वानु ह सी जाः मुसली ज वानु वानु वा यु जाः ॥ मुसली मही वानु पे ठ
का जु का रु रु न ॥ मुसली भा गो वानु सर्व वा पु जाः मुसली नि र्युं डि वानु स री र
प ह हो मुसली चितो का न घाल नु का न पा क्पा को नि को हो ॥ मुसली अमली
वानु ले व को विष न ला ग मुसली वा धि का दु द सें ग वानु स लि ल पु ह हो ॥
मुसली बाँ ड वानु प्र ने ह जाः मुसली मह सें ग वानु नि त्प ज रे जाः मुसली मही
वानु पे ठ का वा उँ टा जु का रु रु न ॥ अथ वरां जा को उपाई कै ह ॥ शिम को बो
ठो बो को ज वानु र्प ति स म गरी पी स्मुर वानु व रा व जुं जा ॥ रा यो रा धि व वानु व
रा जुं जाः सि वों लि को छाला सु का उँ नु व र ख ग ली त ग र्नु गा ई का म ही सें ग व
नु व रा जुं जा ॥ व लु ~~कुटी पा नि~~ नी वो री र वा ड सें ग वानु व रा जुं जा मु
त्र उँ ह दो जा ला स को छाला पि सी व र ख ग ली त गरी यो ड सें ग वानु वें रा जुं जा
मु व ड ह दो जा ॥ सि म को बो ठो द ही सें ग वानु व रा जुं जा मु व ड ह दो जा ॥

तिलपोलिमहसंगवानुवरुं जा ॥ पलासका अन्न र्हालाकोरस गाइको
कावेदुदचिनीमाहालिषानु सुगडहदे जा ॥ पाषाणदेवोला नी संगवा
न सुगडहदे जा ॥ २॥ अथ दन्तपिडाको उपाई कहें ॥ रातिगेडिको जेरो
कानमावाधनु दन्तपिडा जा ॥ घुघरजाई कापातल वोंगपुर आँपको पात
पिंधि दातमा घरनु सेवे दन्तपिडा जा ॥ नागवेली कापात जाई कापातमि
सिदातले चपाउनु ह ६ पाका दातनिका हवत्सिवानाको जेरो आइतवार
कादिन चपाउनु दात घरनु सेवे पिडा जा ॥ अथ जराको उपाई कहें ॥ पिप

* लाकोलो जिरो मेथि कोली तील भलाये सप्तगरी पिष्टु महमागे लीवां
विषानुति जेरो जा ॥ वासक भाग १ वाटुल्या त्या भाग १ दूति उन्को दाला भा
ग १ ईसिस वमिसी चूना कापातकोरस घाली गोली गोली वोंधनु एकादिन
तिन गोली वानु ॥ चौथो जेरो जा आइतमंगल वारपरि वलुको जेरो उत्तर
मुखगरी उखेलनु कानमावाधनु दिनु जेरो आउन्वेवेलामा दही भात वानु
चौथो जेरो जा ॥ वरुको जेरो सो जनिमर्ति आउनु वलु विहान कानमावाध
नु वारु जा चयमिलाको २ जेरो कानमावाधनु वासा जेरो जा ॥ केशकोटु
प्याको गुभा कानमावाधनु सो जेरो जा ॥ अथ वाटुल्या त्या कल्प कहें ॥ वाटुल्या

आधिव्यानुपित्तजरेजा॥ वातुल्यात्माअविजालोयानुसुप्तजा वातुल्यात्मा
धिवाधिकादुदसगयानुपेठकोसलजा वातुल्यात्मावाधिकाधिवसंगयानुशि
रकोवेथाजा॥ वातुल्यात्मातानोगरीपिनुपित्तजरेगजा वातुल्यात्मागाईका
दहीसंगयानुकवलरोगजा॥ वातुल्यात्मासहसंगयानुअतिसारजा वा
तुल्यात्मादहीसंगयानुइन्दीतेजहो वातुल्यात्मापिपुल्यायानुगलाकोसा
रनिकोहो॥ वातुल्यात्मात्रिकुठायानुकोसोउंसोसाजा वातुल्यात्मासिवाली
यानुवोथोजरेजा॥ वातुल्यात्मावलुयानुवेडिरेजा वातुल्यात्मागुज्जोयानु
ओलोजरेजा वातुल्यात्मावोकोयानुओलोजरेजा॥ अथकागजंघाकोउपाईकहु॥

अछाईगेडामरीचः किंबुकोडालादुवायकोरसकाचोहलेदोचिनोसमग
रेपिसनुतबजिभामाघहनुतिर्याजा॥ गुज्जोकोरसः तिनोमरिचतातोगरीपी
नुतिर्याजा॥ तफलासहभंगिराजयानुतिर्याजा॥ लवंगजाईफलमेथ्याका
जराधिसापातीसंगयानुतीर्याजा वमरीकाफलमाघाडहालिकनयानुति
र्याजा॥ माढाकाभौडासापानितोला२गुरुतोला२उमालतुरमुखमाहाल
नुजवतातोसतवफलनुतिर्याजा॥ अथधातुपुष्टकोउपाईकहु॥ जाईफला
तोला१९लवंगतोला१जाईपत्रितोला१अककलातोला१पिपुलातोला१

करकरी तोला १ छोटकी तोला १ अलैच तोला १ टिमुर तोला १ दालच नी तो
ला १ ॥ सतिसमगरी पानको रसमिसी सन्तरी गो लि पार नु रुक सा ज रु
क वि हो न रु सै गरी यानु अखिवार नु ॥ भिंडो भयो कु भिंडो भयो वयालो
वरक्त नयानु पुष्ट हो ॥ केसरी दोकरा १ जाई फल दो कदा ३ लवंग अधे ४
ला १ करकरी मासा १ चौर बो वधी रु के गरी पिंधनु महसंग साज विहा
नयानु पुष्ट हो ॥ अथ पयाला को उपडि कहें ॥ निलोक वैखिको दुद मिहे
ल्लो रसहा लिपिनु ना भिमाप निला उंनु असाध्य पयालारह ॥ उर्दवा क
ला गरी कनु न वयानु असाध्य भया का पयालारह ॥ बाया को दुद भयो के द

लका अन्तर्दाला को रसपि नुर पयालारह ॥ कैदलका अन्तर्दाला को र
स साधका अन्तर्दाला को रसही संग पि नुर ॥ असाध्य पयालारह ॥ इमि
को दुद पानी मा पयाली पि नुर पयालारह ॥ हर्श मरी कः गुंडन उंनी सग यानु ता
तो पानी पनी यानु ॥ असाध्य पयालारह ॥ सिमलो अन्तर्दाला रमहर्दिक पद न
गर्नुर पि नुर ॥ असाध्य पयालारह ॥ अथ फुल को उपडि कहें ॥ कोडोर चूक प
का उंनु को डोपोली वरानी गर्नु तो वरानी न उंनी सितः अंजन गर्नु फुलो
जा ॥ विरिका विया अठाईगे डामरी वघाटी फुला का मुख मा ला उंनु रवा
दलूर फुलो जा संवचूर मन शिलाः शिधाः भंगिरा जरु को रसहा लि

विलगनुतव आरवामा अंजनगनु फुलो जाः॥ अथदिन्याइकोउपाइ
इकहुः॥ कालोहलेदो अरुहलीलदुभाकोरसःसिंधोः सतिपकजगरीः॥
गउंतसितलाउनुदिन्याजाःघोटीप्योको जरो बुढासिउठि कोर
सरदुदलोउनुदिन ९ दिन्याइजाः॥ हलहत्याको जरोघोटीलाउनुघाम
मासुकाउनुदिन्याइजाः॥ अथइढ्याकोउपाइकहुः॥ आलोरगतलाउं
नुडढ्याकोनिकोहोः नोरीकोफुलोपोलिलाउंनुडढ्याकोनिकोहोः॥ चिला
उंन्याकोठोठकाकोसाठोलाउंनुडढ्याकोनिकोहोः भेडावाघाकोवोसात्याउं
नुडढ्याकोनिकोहोः पैजांकोबोठोलाउंनुडढ्याकोनिकोहोः॥ अथमिंरीगीको

उपाइकहुः॥ हरीकोरसः अमलाकोरसः भैसिकादहि शितरद्यालितामा
काभोडामारयालीसुकाउंनुरखुकीकनलिनुतवमुखमाहालिवठीरे
धूनुः॥ तवत्प्रासुर्काकोफुलो घावमादुनुभिरंगिथाकः॥ निलोतुथोःकुः
चिलोः घघर कासाकाभोडामारखनु कासाकोवदु कालेघसनुभिरंगीथाक
जाईकापातपिसिलाउंनुभंगिथाकः॥ अथसालफुकाउंन्याउपाइकहुः॥
गहतभिजाईदहीसितयानुसालफुकः धीवमाडवानुसालफुकः॥ भक्या
मिलोको जरो अंगुल ४ को ल्याउनुउंघोहातगरीपवालिपिनुःसालफुकः॥
अथमंत्रः॥ ॐ ईश्वरवत्माकोपारमासुकोवोवरीहडकोकेवारातांहव

जन्मेमावेटा किवेटी जा ॥ हल कल हल जाई वाया वदि होडी देह इस्वर
 कि मां हो देव की वाचा सत्य यहि मंत्र ले पानी में वीख गाउनु चोई प्रसूति
 हो साल फुकः ॥ अथ तेल को उपाई कहें ॥ सरस्य को तेल मद्धे स्ना लसु
 न को रामाठा का वासना माहालि २१ दिन सूर्य पाक गर्तु तव फेरी २१ दि
 न सम्म गाउनु ॥ तव आरु प्रमारा वा नु इन्द्र य जागनि चलोपठ मावा
 नु वायु हर ॥ बीसो आंग भयो भन्या तातो हुन्छ लसुन अदुवा पुवाउनु
 सुन्या जा लसुन बोझो घानु करि रोग जा ॥ लसुन ताता पानी पिन्नु वा
 संग

दुख लजा लसुन न फल्लावानु सेतो कुछ जा लसुन गाई कादुद स
 गवा नु शर्व रोग जा ॥ नीर्वल्स कि ईद्रिय जाग ॥ अथ पिनास निको हुः
 न्या उपाई कहें ॥ हिं ग सुठो मन्ता तो गरी ला उनु कपाल दुव्या को निको
 हो ॥ जवानु पिसी मन्ता तो गरी ला उनु कपाल दुव्या को निको हो ॥ च्यामि
 ला कोरसः अरी उका जरा कोरस वरा वरी गरी ला हा का भोडा माप का उ
 नु सुठो हिं ग सित गरी पकाई वा कलो गरी पकाउनु रत्ना उनु निको
 हो ॥ बलु कुटी तातो गरी कपाल सेकनु निको हो ॥ अथ साप ले चिल्लाको

अटि मध्य पु ल कला मु ल व पि प क प रा व वि तो ज रा ७
 वा ड वि रे ला ७ मि आ रि व वं स लो व न्द ७ स रा ७
 पु वा ष र ७

धातु विं य को व ष त व ना उ न्प वि छि स र्दि ग्र मि विं य को म या म ह मा मि
 ला द्दि भा तु ग मि वि ल को म या व ड लानि सित भा तु स र्दि विं य को म
 + आ ता रा मा नि सित भा तु
 वं स लो व न्द ७ सु क मे ल ७ को ह रा ७
 वा रे वि नि ७ आ लो वि ७
 पु जा को वि नि ७ क र ७
 वा ग गे ड ७ म रि व गे ड ७ ७५
 जा द्दि प मि ७ क वा प्प वि नि ७

४ ईकागुंतमायकाईकपर्दनगर्गुरआठअठंगमालाउंनुआठदुष्याको
 निकोहोः॥कोचोलाहागोकुलधरपसंगवानुरअष्टांगदुष्याकोनिकोहोः
 अथवाघ्याषठीरकोउपाईकहुः॥वाघिनीकोदुदपिनुवाघ्याषठीरानिको
 होःमाहापिंधी^{नी}उनुवाघ्याषठीरानिकोहोःतारीजांकोवेलोःकठिलाउ
 नुतेहीरसकपर्दनारीपिनुवाघ्याषठीरानिकोहोः॥सिद्धाकाजराकाला
 निगुराकोजराःसममरीगरीभैसिकामहीसंगवांनुवाघ्याषठीरानिकोहोः॥
 अथमालागुनाकोउपाईकहुः॥पैहेपवालादिनुकायासाधनगर्नुतवमाल
 कागुनाकादाना१दाना२दाना३दाना४दाना५दाना६दाना७तवसातादिनः
 ८०नित्यदिनः४०सममयानुःसरीरपुष्टहोःनेत्रज्योतिहोकहुजाः॥अथकेशको
 उपाईकहुः॥मालागुनाकादानापिसीकालीगाईकादुदसामिसिजममाउंनु
 मयनगरीनोनीलाउनुदुदभातवानुःस्यामेकेशहोः॥करुवोनिलसापकोवा
 साःरुक्मगरीसातादिनसूर्यपाकगर्नुःत्पोकेशमालायाकेसरुद्धनः॥हर्ताल्प
 लोसकपातभरमपानिसंगलेपनगर्नुःज्योतिकारउंऊरुनः॥अथदग्धिषको
 उपाईकहुः॥दहीरकालाउषुकोषुदोवानुदग्धिजाःचुकारमरीचषुदोवा
 नुदग्धिजाःचूकःअदुवादहीधनुषुदोवानुदग्धिजाः॥अथदहिषकोउपाई
 कहुः॥कालोविरालोकोकपालआइतमंगलवारपारीमारनुरपोलनुर~~र~~

अक्षि श्रीगङ्गासाधनम्
 वी. ओ. कु. वि. लो. मि. मि. सि. वा. प्रि. का. मृ. त. मा. वि. सा. सो. वे. पु. का. क. न. मा. हा. नि. सु. र. पु.
 क. हि. रो. कान. सु. न. सि. उ. डि. का. उ. मा. गो. धृ. त. न. का. उ. न. न. मा. हा. ल. न. उ. का. रा. स. न. म. की. की.
 पि. त. का. हा. को. भा. उ. प. ला. स. म. उ. र. कान. मा. हा. उ. कान. र. पु. के. नि. के. हा. : प्रि. मि. राज. के.
 फल. सि. धो. उन. वा. मि. उ. मा. पु. का. द. हा. ल. न. उ. क. न. सु. राजा. सु. टो. हिं. ग. रो. मृ. र. पि.
 व. स. त्र. ग. लि. त. ग. रि. क. र. वा. ते. सि. सि. कान. मा. हा. ल. न. उ. क. न. सु. राजा. वि. क. की. द. जा. : नि.
 वि. मि. रा. को. र. स. : प्र. म. ला. को. र. स. : गो. मृ. त. : कान. मा. हा. ल. न. उ. : क. न. मृ. राजा. : ॥ ४ ॥
 गिराजको. प. ल. मि. जि. कान. हा. ल. न. उ. वि. की. यु. जा. : ॥

सु. सो. लि. सिं. धो. पि. प. ला. एक. त्र. ग. रि. कान. हा. लि. न. उ. व. ही. रे. नि. को. हो. ॥ मा. ह. र.
 नि. चो. री. कान. हा. ल. न. उ. कान. पा. क. या. को. नि. को. हो. वं. दे. ल. को. दा. हो. धो. टी. कान. हा. ल. न. उ.
 कान. पा. क. या. को. नि. को. हो. सि. उ. डि. को. पा. न. पो. लि. कान. हा. ल. न. उ. कान. पा. क. या. को. नि. को.
 हो. ॥ को. डो. पो. लि. ह. री. नि. का. सु. व. मा. धो. टी. कान. हा. ल. न. उ. ज. न्म. को. व. ही. रे. नि. को.
 हो. ॥ व. अ. ते. को. पा. न. पो. लि. कान. हा. ल. न. उ. कान. पा. क. या. को. नि. को. हो. ॥ से. च. ल. को. र.
 स. नि. ल. को. तेल. मा. प. का. उ. न. कान. हा. ल. न. उ. क. र्श. मृ. ल. जा. ॥ सु. टो. द. ह. र. को. तेल. बो. गो.
 सिं. धो. कु. ठ. न. स. ह. अ. मृ. ल. को. पा. नि. हा. लि. पिं. ध. न. वा. वा. को. ज. ल. मि. सि. कान. हा. ल.
 न. क. र्श. मृ. ल. जा. ॥ ॥ अ. थ. ग. हं. क. प. ठ. को. उ. पा. डि. ॥ ॥ पे. ह. प. र. वा. ला. दि. न.

धिर्गकादुदसा तुनमिसिवा नदिनु गहुंकपठ जा पो ल्यकोहरी पत्रिय
 कजगरीतिताचिंडा कापातकापानि संगपीनु गहुंकपठ जा ॥ वृन्भं
 गिराज पिंधीकागनिका निववाकाके आमा वृपनु विह्वानवे लुका यानुग
 हुंकपठ जा ॥ हिंगभाग वसेतवरुवा भाग १ यानुगभकिपठ जा जसे उयाल
 पयाल पयालाहोत विसापानिले हातगोडा वृनु ॥ विमानुनदहिभात
 यानु उयालपयाल रह ॥ ॥ अथघाउलाग्पाके उपाइ कहें ॥ ॥ जस्का
 घाउलागत बहुतरगत आवत विसलागि मूर्हापरत ॥ नउनी निमःगाइको
 दुदपिनु तवघावनि कोहो फलेका चावल र अरवाचावल मूठी सुगवानु
 सोही चावल भाग १ वयर भाग १ दारिमकोवा को भाग ३ मिसिपिसनु वरु
 यलीत गर्नु धुकलेमु कीघा इ वसा लावनु ॥ संगते रहदिन ३ करुका
 तेलसगलाउनु घापुरीय ॥ भिडाको सिंपोलितिल कोते लंसगलाउनु घा
 पुरिय ॥ सेतवरुवा भालुके वोसा सिउडिको दुद मिसिवासिगरिलाउनु
 घानिको हो कसरजा ॥ अमलामुत संगमिसिलाउनु घापुरीय सिवालिका
 पातपिसि सापकारगत संगलाउनु वोपठाभयावहिराउनु ॥ आंकको जरे घाव
 मालाउनु घापुरीय जवघा लाग्पामा सपनामा विर्य मूरत वासको आघोघो
 ठीलाउनु घानफूठ ॥ सापको वोसा जरायाको मासि गोघुत मिसिमर्दन

१० गतिनागसि धुकलेमु कीघा वसा लावनु संगते रहदिन ३ करुका

५३६

गर्नु हात नसा विर्या कानिका हवन चोडा कोठा प्रघाठी लावु सोला कोघा
 उनी कोहो ॥ सुत्र को वो सोला उनु सोला पानि सुकः नेवा गां पिंधी ला उनु सो
 ला को घा उथाकः कनिक्य कुड्हा काजर सुका इव कुनी गर्नु ते लपो लिला
 उनु बुक नीदुर्नु घा पुरीयः ॥ वराया का भूवा ला उनु घा उफ्फ द्या कोनी
 कोहोः ति व्यन क्षत्र मा पे जां को पूर्व तिर गया को जरो विजहा लीपा
 खरे मा वा धनु तव घा न लागः ॥ घाला उपा पूरु ते न सत्यः ॥ अरी डका
 पान को बुक नी मादुर्नु घा पुरीयः च म्या मिलो बुक नीदुर्नु घा पुरीयः ॥
 अथ प्रय को उपाय कहें ॥ ॥ इन्द्रा शि को विजल वंगः अमलाः पिंधी
 घानुः अरि प्र मेह जाः ॥ कुश को फुलः धयरा को फुलः आरु को फुल कार्तिक
 कोमह संग मिसि घानु रक्त प्र मेह जाः ॥ चोला नी समल को दाला को र
 समा मिसि घानुः अरि प्र मेह जाः ॥ तिल धयरा को फुलः कार्तिक कोमह
 गाई घ त मिसि अमला प्र मा रा घानु रक्त प्र मा यु जा ॥ आ क को रस क
 वे को रसः मिसि घा ड मा हा ली घानु रक्त प्र मा यु जाः सुत्र क घी उजा ॥ दहिं
 गाला को जरो कुठी रस पी उनु से तो प्र मा यु जाः वाटु ल पा त्या चि व स
 गः अथ वा दही सित वानु प्र मा यु जाः ॥ वीरै चो लानि संग घानु प्र मा यु
 जाः सिम ल को वो ठा भाग ९ सु सली भाग ९ नाग र्जुनी भाग ९ पुन र्गा वा भाग

है
क
नी
ज
जा
नु
सु
हो
सा
च
न
वि
ना
का
ज
रा
रि
ज

सुगिमासभाग ९ आरुकाविजभाग ९ कालाउखुकोशुइ सत्रवयकत्रवगरी
पीसनु ओंघाकाचामलकोपिठो गार्इकाधिवमापुवासुडाउनुविहान
यानुप्रमायुजा ॥ ॥ अथमोचकोउपरिकहं ॥ ॥ सिरनाकामंठा ७ जरा ७
असुराकामंठा ७ जरा ७ पिंधीवखगलीतगरीदहिलामित्रवाहीरगोडा
गारिपियाइदिनुमोचजा ॥ ॥ बालः खजीवपांचमैनोंगभहंदावोवधीदिनु
अरिपुरुषदुवैजनालेयानुमोचजा ॥ ॥ ॥ अथयलहलाकोउपरिकहं ॥ ॥
निमिलाकोदुदकेरकागानाकोपानिनुवानुसिमलकोयाठोधेयरको
फुलसुतिसमगरिबानुयलहलोनिकोहो ॥ ॥ गार्इकोधिवः गार्इकोकाचो
दुदवाडसितमिसिवानुयलहलोथाका ॥ ॥ वयालगेरुः पानिमाततंइषपि
नुयलहलाजाः कालोभेडोमारिअलिनेउसनीः यानुयलहलोरह ॥ ॥ गुरं
सकोफुलः केवैकाजरा अंडारसगपिंधीयानुयलहलोरह इन्द्राणाकोवि
जहलेदोः पेहलोसुगिकोशानु कार्तिककोसहसमगरीपीसनुरयानु
यलहलोनिकोहो ॥ ॥ धिवदुदखुवाउनुयलहलोनिकोहो वाटुल्याप्पु
भकोछालाः निमः ययरजटीमचौलानिसगबानुनिलोपेहलोरगोव
लहलोरह ॥ ॥ अथगानोकोउपाइकहं ॥ ॥ अरिउकोजरेहीगः सोचलउ
मालिपिनुभूलजाः सुहोपिप्लामरीचः विमनुनजवानुः सुतिसमगरि

हिं का जरा संमगरी बा नुः गुनु धन

आवः ॥ चिता का जरा विपल जरी सिंधो

पी सनु कोरा वासना मापका उनुः तव वनुरा का पात कोर स पात रहालि पीनु
शूल जाः ॥ दिवा चूक्या नुसूल जाः वायु युलम जाः नि न्याइ जाः हीग जिरो सुठोः
स्वचलः धन्या पीसी ता तो गरी पिनु सर्वसूल जाः ॥ को का का विद्याः सिंधो
नुन धयरा को फूलः अदुवा गुड पिसनु तव वानु सर्वशूल जाः ॥ काला को
रा लोको जरो अरीड को जरो चिता को जरो सूढो हीगः सिंधो सम गरी महले
गो लि वाध नुत व सर्वसूल जाः ॥ चिसो पानी पी नदिनुः अजीरा स्तूल जाः
हीगः सूढोः हरता ता पानी सग पिनु अजिरी स्तूल जाः चिता को जरो ता
ता पा नि सग पीनु हीया का कंठ को वह जाः ॥ रात्र माद्या कोर स पिनु शूल जाः

नार

अफि न पात जरा हिं ग संग वानु सर्वसूल जाः ॥ ॥ अथ पेठ का किरा को
उपाइ कहें ॥ नून चूक गा न्द्रा को पा नि मा रो ठो प का उ नु र वा नु पेठ वो
ध पेठ का किरा रु रु न ॥ हरे गो वर प का उं नु स्वाग पूला उ नु सम गरी
पिस नु य रा स ग वानु र ता तो पा नि पी नु वाला किरा रु रु न सुवाग पूला
उ नु को डो पो ल नु चो थो हीगः पिस नु गा इ का मं ही स ग वानु वाला किरा
रु रु न ॥ ॥ अथ प्र सु ति को उपाइ कहें ॥ धनुरा को जरो जो नी भि व हा ल नु कूं
चो डै प्र सु ति हो आं क के जरो ४ अ उं ल भरी को जो नि भि व हा ल नु चो डै प्र सु ॥
वयर को जरो उ न दि शा ग रा को अक्षे ना पा ति ले प्र जि प्र सु ति हुं न्या अ

रित्र को नो उली उये लुने स्का सरः वा धिदिनु चोडे प्रसु ति हो ॥ ते स्को नाम
 लिनु पंच सु गंध लेख नु धूप गरी ग ला वा धं नु सु ख प्रसु ति हो ॥ ना भि शं वः
 गो जा हा ल नु सु ख प्रसु ति हो ॥ का ग ज घा को जे रे ॥ अनु क को जे रे ॥ क र ठा वं
 ध नु चो डे प्रसु ति हो ॥ गो ल्का क्रि का ज रा पा नि संग पि नु चो डे प्रसु ति हो
 ॥ अथ ह सी को उ पा डे कहें ॥ कै द ल्को द्वा ला का फ ल् को द्वा ला ल सी कु ठी
 व ख ग ली न गरी कार्ति क काम ह संग घा नु ह सी थो कै पि प् ला म रि चः वा
 नु ह सी थो कै ॥ बा ड म ह र क्त चं द न चो ला नि संग घा नु ह सी जा ॥ मे ह ल्को
 द्वा ला ल्वा ग वो गो पि प ला सु ठो स म ग रि पि स्तु बा ड संग वि रा ला का पा व प्र

मा रा घा नु ह सी जा ॥ द हि मा ड घा नु ह सी जा ॥ हरि चि ता गु ड संग घा नु ह सी
 जा ॥ तिल भ ला यो हरि म ह संग घा नु ह सी जा ॥ अथ फि र्वा को उ पा डे कहें ॥
 प त्क वारि को गु दि सिं धो नु न नो नी स ग घा नु फि र्वा जा ॥ पि प ल् ज री गुं ड
 संग घा नु ह सी जा ॥ प ला स को पा त भ र्म पि प् ला म ह संग वि रा ला का पा व प्र
 मा रा घा नु फि र्वा जा ॥ दा रि म को द्वा ला नी म का पा त ॥ ओं प का पा त ॥ ओं क का
 पा त को भ र्म गरी पि स नु वा रि का दु द मा प का उ नु प ठ ले प न ग र्नु दि न ३ मा
 फि र्वा जा ॥ पि प ल् को घा र भा ग १ कु भिं डा को घा र भा ग १ ना गा र्जु न् भा ग १
 वा घा का मु व मा प का उ नु प ठ ले प न ग र्नु फि र्वा जा ॥ वां कि पा त स म ग री न न

उ न ज वा नु ह री सु ठो स व ड री ग रि

स म ग री न न मा पा नि संग घा नु ॥ अथ

सरकोर हा डिमा महं गुंड ह॥ लकनप का उं नुः ३ वर्ष को गुंडे डे बुवा भरीः
 स्वागठे बुवा १॥ सर्वमिला इचो धरे जवानु फिर्यो जाः॥ ॥ अथ उसा सो
 जान्य उपाइ कहंः॥ हरः धनि उः रा योः ठि मुरः विकुठाः जवानुः शिषोः सो चलः
 तिअ के फल मराठा जरी समगरी पिसनुः गाइका धिव संगवानुः का सो
 उसा सो जाः॥ सिंवालि जवानुः सुठाः हरीः हिगः समगरी पिसनुः ताता पानि
 संगवानुः का सो उसा सो जाः॥ कनि ककुडोः गुडः को चो हले दोः गाइका धिव
 मुद्धिः अमला प्रमाणवानुः का सो उसा सो जाः॥ भालु को पित्तः कस्तुरि यानुः
 का सो उसा सो जाः विकुठाः विफलाः सिंवालिः ओं पको को योः वियोः पिसी वख गली

तगरीः चूक को पूठ दिनुः अमलाः प्रमाणवानुः का सो उसा सो जाः॥ सतिसाल का
 चो इठा विहान मि जाइ वेलु का यानुः वेलु का मि जाइ विहान यानुः का सो
 उसा सो जाः॥ अथ सुनीया को उपाइ कहंः॥ अजै पाल को पानिः ह के लोपे
 ताला पद्धति नाभीः अहंगः माघ रनु पसिना आउनु सुनि न्य जाः॥ लोंगः येर रवि
 * कुठाः जिरोः अले वीः समगरीः पीसनु वख गली नगरीः यान दिनु सुनि न्य जाः॥
 येर-तुलसिका पात पिप्ला वेय की जरः अमिली का वियाः पिप्लि मुलः सुठो
 समगरी पिहनु पानि संग का नमान स दिनु सुनि न्य जाः॥ कांका का जर पिही
 न स दिनुः सुन्या जाः केदारः सुठोः पानि माघोटीः अंजनः आंघा मा दिनु सुन्या

जा: सिरि सकाविया गहु तमा दी लाउं नु सु-मजा: ॥ वो जो मह सम गरी धो
टी: अंजन दिनु: सु-मजा: वो जो पि स्या मरी वसिंधो नुन: सम गरी पिंध नुन
सादि नु सु-मजा: ॥ अथर उं का न्यो उपाइ कहु: सनका विजै सर र मा
का भाडा माहालि परस गाड नु एक साता वषा का वार मा ~~सु~~ नु फेरी आइ
तवार: अन्न भिज लगी: गाड नु तेहि विज पि सी जों हों राख्यो तां हार उं रु
हरी ताल: पलो सका पात को भस्म एक वगरी पा निस ग ने जले पन ग नु रो
ग जा: ॥ धन्य: ना गर थो: सुटो: बल माहालि पिंधी यानु रोग जा: अंरी ड को ज
रे वो जो हरी: एति सगरी पिस नु उमा लि पि नु रोग जा: ॥ सिंमालि वास क
नाग मी थो नामा का भाडा मा: उमालि सो ही र सलो हो का भाडा मा उमाल नु त व म री च

पिप्ला: सुटो: हरी वयोर: जाइ फल: लो ग: ॥ एति मसी वरु गालित ग नु त व
यानु जे रोग जा: ॥ अथ ने जे रोग भवनि को उपरि कहें ॥ माया को विष्टी: वर को धे
सा: सिंदुर: न उनि सित: बल ग नु: आषा अंजन ग नु: आषा को कसर जा: जे ठी म
धर: वाष्पा का व के ला घोटी: आषा डें हं दानि का हवन: ॥ त्रि फल: भं गिरा जम
हवा नु: आषा को तिभिरी जा: पिप्ला: सुटो भं गिरा जमरी च: का चोह ले दो
निम: मो थ्या एति सगरी: सु का उनुत व पि स नु: करु वति ल संग अंजन
ग नु: फलो जा: ॥ कार्तिका को महवा धिका जल सग अंजन ग नु त व आ:
या पवू ल वी धनु वो य ध ला वन: आषा को जालो फाट ॥ काला विराला को